ट्रेन हाइजैक पर भारत ने पाकिस्तान के दावे को खारिज किया

नयी दिल्ली, 14 मार्च। भारत ने बलूचिस्तान में ट्रेन अपहरण की घटना को लेकर पाकिस्तान की ओर से दिय गए बयानों को दृढ़ ता से खारिज कर दिया है और कहा है कि पाकिस्तान को अपनी अंदरूनी विफलताओं के लिए दूसरों को दोष नहीं देना चाहिए। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने पाकिस्तान की ओर से की गई टिप्पणियों पर मीडिया के सवालों के जवाब में कहा, ''हम पाकिस्तान द्वारा लगाए गए आधारहीन आरोपों को दृढ़ ता से खारिज करते हैं। पूरी दुनिया जानती है कि वैश्विक आतंकवाद का केंद्र कहां है। पाकिस्तान को अपनी आंतरिक समस्याओं और विफलताओं के लिए दोष दूसरों पर डालने के बजाय अंदर झांकना चाहिए।''

'हमारी सरकार राज्य में महिलाओं को विकासोन्मुखी वातावरण उपलब्ध कराने के लिए काम कर रही है'

मुख्यमंत्री भजनलाल ने शनिवार को जवाहर कला केन्द्र में ''शक्ति वंदन, भारत के स्व का अभिनन्दन'' महोत्सव का उद्घाटन करते हुए कहा

- **कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने अहिल्याबाई होल्कर प्रदर्शनी भी देखी और कहा कि रानी अहिल्याबाई ने महेश्वर में हथकरघा का विकास किया व महेश्वर साड़ी की सौगात दी।**

जयपुर, 15 मार्च। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि सशक्त और विकसित देश-प्रदेश बनाने में महिलाओं की महत्वपूर्ण भूमिका है। आधी आबादी की भागीदारी के बिना विकास की यात्रा अधूरी है।

उन्होंने कहा कि हमारी सनातन संस्कृति में भी शक्ति के लिए मां दुर्गा, धन के लिए मां लक्ष्मी और बुद्धि के लिए मां सरस्वती की उपासना करने की परम्परा रही है। शर्मा ने कहा कि यह शक्ति वंदन महोत्सव हमारे महिला सशक्तिकरण के प्रयासों में महत्वपूर्ण योगदान का प्रतीक है। हमारी सरकार राज्य में महिलाओं को विकासोन्मुखी वातावरण उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्धता से काम कर रही है।

मुख्यमंत्री शनिवार को जवाहर कला केन्द्र में ''शक्ति वंदन: भारत के स्व का अभिनंदन महोत्सव'' के उद्घाटन कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि लोकमाता अहिल्याबाई ने अपने जीवन और कार्यों से एक स्थायी विरासत छोड़ी है। उन्होंने महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए महेश्वर में स्थानीय हथकरघा उद्योग का विकास कर दुनिया को महेश्वर साड़ी की सौगात दी। वे एक साहसी योद्धा, सक्षम प्रशासक और सनातन संस्कृति की समर्पित संरक्षिका थीं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी आधी आबादी की उन्नित और प्रगति में विश्वास रखते हैं। यह महोत्सव प्रधानमंत्री के ''वोकल फॉर लोकल'' अभियान के तहत, स्थानीय उत्पादों को बढ़ ावा देने, महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने और विलुप्त होती कलाओं को पुनर्जीवित करने के प्रयासों का महत्वपूर्ण हिस्सा है। महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाना हमारा लक्ष्य है। हाल ही में होली के पावन अवसर पर सरकार ने स्वयं सहायता समूहों की माताओं-बहनों द्वारा तैयार हर्बल गुलाल खरीदकर उन्हें प्रोत्साहित किया।

इससे पहले मुख्यमंत्री ने दीप प्रज्ज्वलित कर तीन दिवसीय 'नारी शक्ति वंदन : भारत के स्व का अभिनंदन' महोत्सव का शुभारंभ किया। उन्होंने शक्ति वंदन पुस्तक में उद्यमी महिलाओं के लिए संदेश लिखा। शर्मा ने जयपुर नगर निगम ग्रेटर द्वारा आयोजित देवी अहिल्याबाई होल्कर प्रदर्शनी का भी अवलोकन किया और प्रदर्शनी के ''रिड्यूस, रीयूज और रीसाइकिल'' आधारित उत्पादों की सराहना की।

इस अवसर पर नगर निगम जयपुर ग्रेटर की महापौर डॉ. सौम्या गुर्जर ने मुख्यमंत्री को अहिल्याबाई होल्कर की प्रतिमा भेंट की। कार्यक्रम में जयपुर सांसद मंजू शर्मा सहित, जनप्रतिनिधिगण, स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी महिला उद्यमी एवं बड़ी संख्या में अन्य महिलाएं उपस्थित थीं।

रूस बातचीत से पहले...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

कर लिया है, जिसमें एक महीने का युद्धविराम तुरंत लागू होना था। अब गेंद रुसियों के पाले में है।

अब हो यह रहा है कि रुस अधिक से अधिक सैन्य दबाव बनाने की कोशिश कर रहा है, ताकि वो अमेरिका के साथ वार्ता में इसका इस्तेमाल कर सके। उदाहरण के लिए, कुर्स्क क्षेत्र पर रुस का कड़ा नियंत्रण, यूक्रेन व अमेरिका के लिए सौदेबाजी का एक बड़ा हथियार है।

इस संदर्भ में उच्च रुसी सहायकों द्वारा दिए गए संकेतों और रुसी राष्ट्रपति के नवीनतम आचरण से यह प्रतीत होता है कि वे अमेरिकी शांति प्रस्ताव को स्वीकार करने की जल्दबाजी में नहीं हैं। वार्ता की टेबल पर आने से पहले वो पूरी स्थिति पर अपना पूर्ण नियंत्रण स्थापित करना चाहते थे। इससे अमेरिका की स्थिति व नियंत्रण कमज़ोर हो रहा है।

यदि ऐसा होता है, तो अमेरिकी राष्ट्रपति के प्रयासों के लिए यह एक सीधा अपमान होगा। उसके बाद ट्रंप, रुसियों को पलटवार में एक सख्त पाठ पढ़ाने की कोशिश कर सकते हैं।

कुछ अमेरिकी सूत्रों ने पहले से ही यह संकेत दिया है कि खुफिया जानकारी का आदान प्रदान, जो निलंबित कर दिया गया था, वो शुरु हो चुका है और अन्य खुफिया जानकारियाँ फिर से आ रही हैं। समय आने पर, यदि वार्ताएं विफल हो जाती हैं, जिन्हें यूक्रेन पहले ही दबाव में आकर स्वीकार कर चुका है, तो अमेरिका पूरी ताकत से हस्तक्षेप कर सकता है।

जबरदस्ती व विरोध नहीं...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

जीवित करना चाहिए। अगर गैर हिंदी भाषियों को हिंदी से दिक्कत है तो उन पर संस्कृत थोप दी जानी चाहिए।''

इस समय भारत का भाषाई परिदृश्य बहुत ज्यादा ध्रुवीकृत है, ऐसे में कैड्बरी डेयरी मिल्क की अप्रोच महत्वपूर्ण है। इसमें भाषा के इंसानी पहलू को दिखाया गया है कि यह तोड़ने का नहीं जोड़ने का जरिया है और इस प्रकार ब्रांड ने विवाद में पड़े बिना सबको साथ लेकर चलने का संदेश दिया है।

भारत के भाषाई मसले पर इस विज्ञापन का कितना असर पड़ेगा, यह देखा जाना बाकी है। पर एक बात तो तय है कि कैड्बरी डेयरी मिल्क ने वह कर दिया है, जो करने के लिए नेता जूझ रहे हैं, उन्हें विवादित परिदृश्यों के एक ''कॉमन ग्राउण्ड'' नहीं मिल रहा है और कैड्बरी ने बहुत सादगी से वह सब कर दिया है।

एक दिन ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

जिम्पा और जसवीर सिंह राजा गिल डीडीवीसी में मौजूद थे।

विपश्यना केंद्र के प्रवक्ता ने कहा कि 10 दिवसीय विपश्यना ध्यान सत्र पांच मार्च को शुरू हुआ और 16 मार्च, 2025 की सुबह समाप्त होने वाला है। हालांकि, प्रवक्ता ने कहा कि केजरीवाल ने अपने ध्यान शिक्षक से छुट्टी ली और एक दिन पहले ही लौट गए।

'हम केन्द्र के शिक्षा ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

तमिल भाषा में भारतीय मुद्रा के लिये प्रयुक्त हुआ है। लोगो में एक कैप्शन भी था ''सबके लिये प्रत्येक चीज।'' यह कैप्शन सरकार के समावेशी मॉडल का परिचायक है, क्योंकि सत्तारुढ़ द्रमुक तमिलनाडु सरकार के समावेशी होने का दावा करती है।

तमिलनाडु सरकार पर प्रहार करते हुये, राज्य के भाजपा अध्यक्ष के अन्नामलाई ने कहा कि ''रुपये के प्रतीक को तमिलवासी उदय कुमार ने ही डिज़ायन किया था। वे द्रमुक विधायक के पुत्र हैं। उन्होंने लिखा, स्टालिन, आप किस हद तक मूर्ख हो सकते हैं?'' उन्होंने 2024-25 के तमिलनाडु बजट का लोगो ने भी शेयर किया, जिसमें भारतीय रुपये का प्रतीक था। गौरतलब है कि तमिलनाडु के राज्यपाल ने अभी कोई अधिकृत बयान नहीं दिया है।

तमिलनाडु सरकार का यह कदम भाजपा के लिये एक ऐसा हथियार बन गया है, जिसके जरिये वह सभी मंचों पर द्रमुक को पछाड़ सकती है।

तमिलनाडु और केन्द्र के बीच यह रस्साकसी उस समय शुरु हुई, जब राज्य सरकार ने नैशनल एजुकेशन पॉलिसी, जिसमें राज्यों को त्रिभाषा फॉर्मूला लागू करने के लिये बाध्य किया गया है, को लागू करने से इनकार कर दिया था।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति के नियमों के अनुसार, राज्यों को एनईपी गाइडलाइन्स की अनुपालना करनी होगी, ताकि उन्हें एसएसए की फंडिंग प्राप्त हो सके। केन्द्र इस राशि का 60 प्रतिशत हिस्सा सभी राज्यों को प्रदान करता है, जिनमें तमिलनाडु भी शामिल है। तीन भाषा फॉर्मूला को स्वीकार करने से इनकार के कारण, केन्द्र ने तमिलनाडु को दिये जाने वाले फन्ड्स रोक लिये हैं।

पुलिसकर्मियों ने नहीं ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

होली का बहिष्कार करने पर मजबूर होना बहुत ही कष्टदायक है। बजट विनियोग विधेयक पर बोलते हुए मैंने पुलिस कर्मियों का मैस भत्ता बढ़ाने और डीपीसी से प्रमोशन की मांग को मुख्यमंत्री के सामने उठाया था। मेरी मुख्यमंत्री से भी अपील है कि पुलिसकर्मियों की मांग पर सकारात्मक फैसला करें।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने कहा कि पुलिसकर्मी हर पर्व को सौहार्द्र एवं शांतिपूर्ण वातावरण में सम्पन्न कराने के लिए अपने परिवार से दूर कर्तव्य का निर्वहन करते हैं। कल प्रदेशवासियों ने आनंदमय माहौल में होली मनाई, लेकिन भाजपा सरकार की हठधर्मिता की वजह से आज पुलिसकर्मी होली का बहिष्कार करने को मजबूर हैं।

कर्मचारी संगठनों ने भी मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा से पुलिस कर्मियों की लंबित मांगों का समाधान करने की अपील की है। संयुक्त कर्मचारी महासंघ एकीकृत के अध्यक्ष गजेन्द्र सिंह राठौड़ ने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा को ज्ञापन भेजकर कहा है कि पुलिस कर्मियों की वाजिब मांगों को सरकार तक पहुंचाने का कोई मंच नहीं है। अपनी मांगों को सरकारों से मनवाने के लिए पुलिसकर्मी अन्य कर्मचारियों की तरह हड़ताल, धरना-प्रदर्शन नहीं कर सकते हैं, इसलिए सरकार के पास उनकी जायज मांगें नहीं पहुंच पाती हैं। सरकार तत्काल उनकी मांगों पर ध्यान देकर समाधान करे।

राहुल गाँधी एक सप्ताह की ''मैडिटेशन यात्रा''...

- **कांग्रेस में परिवर्तन के बारे में ऐसी घोषणाएं कई बार हो चुकी हैं, पर, क्रियान्विति ज़ीरो रहती है।**
- **कांग्रेस के उसी वरिष्ठ नेता ने इसलिए जोर, देकर कहा कि राहुल को व्यक्तिगत सोच को, व्यवहारिकता का जामा पहनाने की जरूरत है, उनके पास ऐसी सलाह देने वाले नेताओं की टीम बनती नज़र नहीं आती।**

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

की 12 मार्च को होने वाली मीटिंग स्थगित कर दी गई है। अब यह मीटिंग राहुल के वियतनाम से लौटने के बाद ही होगी। पंजाब में राज्य कांग्रेस के राजनैतिक मामलों की कमेटी की मीटिंग गुरुवार को हुई, जिसमें नेतृत्व जाट और दलित राजनीति के बीच फंसा नजर आया।

अमरिन्दर सिंह राजा वड़िंग पार्टी में बहुत अलोकप्रिय हो गये हैं। चन्नी ने भी यह साफ कह दिया है कि उनकी रुचि राज्य की राजनीति में है।

पिछली बार, राहुल और प्रियंका गांधी ने चेन्नी को पंजाब के मुख्यमंत्री के रुप में थोप दिया था। उन्होंने यह सोचा ही नहीं था कि ताकतवर जाट सिक्ख लॉबी मुख्यमंत्री के रुप में एक दलित को कभी सहयोग प्रदान नहीं करेगी।

क्या नेतृत्व चन्नी को फिर से पार्टी के चेहरे के रुप में प्रस्तुत करेगा, या स्थिति यथावत चलती रहेगी। भूपेश बघेल, जो इस समय पंजाब प्रभारी हैं, ने अनुशासन के मामले में सख्ती बरतने का निर्णय लिया है। उन्होंने घोषणा कर दी है कि नेतागण केवल पार्टी मंचों पर ही बोलेंगे, बाहर नहीं तथा सभी लोग बिना किसी दुर्भावना के, सौहार्दपूर्वक मिलकर काम करेंगे।

यह सीख सैकड़ों बार दी जा चुकी है, लेकिन इसका शायद ही कोई असर हुआ हो। अभी-अभी, राहुल गांधी ने गुजरात की अपनी यात्रा के दौरान बड़े जोर-शोर से यह घोषणा की थी कि राज्य में भाजपा की मदद करने वाले कांग्रेसजनों को बर्खास्त कर दिया जायेगा तथा पार्टी से निकाल दिया जायेगा, भले ही उनकी संख्या कितनी भी ज्यादा क्यों न हो। राहुल गांधी इससे पहले भी ऐसी घोषणाएं कई बार कर चुके हैं, लेकिन जहाँ तक कार्यवाही का प्रश्न है, कभी कोई कार्यवाही नहीं की गई है। एक वरिष्ठ नेता ने कहा कि अगर अंदरुनी लड़ाई तथा नेताओं के अहं के टकराव से दूर हटकर, पार्टी को विभिन्न राज्यों की सत्ता में वापस आना है तो राहुल गांधी की पसंद और नापसंद को राजनैतिक व्यावहारिकता तथा दूरदर्शिता के अनुसार ढलना होगा।

जेडीसी, जेडीए...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

को मुहैया कराए। यदि भूखंड नहीं दे पाए तो उसे जमा करवाई गई राशि 6,88,532 रुपए जमा तारीख से 18 फीसदी ब्याज सहित अदा करें। इसके अलावा परिवाद दायर करने की तारीख से एक हजार रुपए हर दिन हर्जाना राशि दी जाएगी। वहीं, क्षतिपूर्ति के लिए उसे 5.21 लाख रुपए हर्जाना भी दिया जाएगा, लेकिन जेडीए ने इस आदेश का पालन नहीं किया है। इसलिए आदेश की पालना करवाई जाए।

गौरतलब है कि परिवादी ने जेडीए की सीकर रोड स्थित आवासीय योजना, रजत विहार में भूखंड के लिए आवेदन किया था। जेडीए ने उसे भूखंड आवंटित भी कर दिया और परिवादी ने भी उसकी पूरी राशि जमा करवा दी, लेकिन परिवादी को ना तो भूखंड का कब्जा दिया गया और ना ही उसकी जमा राशि ही उसे लौटाई गई।

कम परीक्षा ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

में याचिका दायर कर कहा कि स्कूल का परीक्षा परिणाम सदैव उत्कृष्ट रहा है। ऐसे में केवल एक साल कम परीक्षा परिणाम आने पर उसे दंडित नहीं कर सकते। इसके अलावा, वरिष्ठ अध्यापकों ने पूरे साल विद्यार्थियों को पढ़ ाया, लेकिन परीक्षा परिणाम कम आया। ऐसे में वरिष्ठ शिक्षकों की एवज में उसे दंडित नहीं किया जा सकता।

ऐसे ही दूसरे मामले में, याचिकाकर्ता व्याख्याता नेमी चंद बलाई जयपुर जिले के राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, बधाल में हिंदी के व्याख्याता के पद पर कार्यरत हैं। उनके खिलाफ भी 2018-2019 में कक्षा 12वीं का हिंदी विषय का परीक्षा परिणाम तय मापदंड से कम आने के कारण चार्जशीट दी गई और जुलाई 2021 में दो वार्षिक वेतन वृद्धि रोक लीं। विभाग ने वार्षिक वेतन वृद्धि रोकने की अवधि दो साल से एक साल कर दी। इसे चुनौती देते हुए याचिकाकर्ता ने कहा कि हर छात्र का पढ़ ने का स्तर एक जैसा नहीं होता है। इसलिए उसे कम परिणाम के लिए दोषी करार देकर दंडित नहीं किया जा सकता। दोनों मामलों में सुनवाई करते हुए हाईकोर्ट ने दंडात्मक कार्रवाई को रद्द कर दिया है।

चारागाह भूमि से कब्जा नहीं ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

भी पेश करने को कहा है। सीजे एमएम श्रीवास्तव और जस्टिस भुवन गोयल की खंडपीठ ने यह आदेश नेकीराम व अन्य की ओर से दायर अवमानना याचिका पर सुनवाई करते हुए दिए। सुनवाई के दौरान राजस्व विभाग की ओर से आदेश की पालना के लिए दो सप्ताह का समय मांगा गया। इस पर अदालत ने चेतावनी देते हुए कहा कि यदि मामले में 23 मई, 2022 के आदेश की पालना नहीं की गई तो अदालत अधिकारियों को वारंट से तलब कर सकती है। अवमानना याचिका में अधिवक्ता वीपी शास्त्री ने बताया कि चिड़ावा की कई बीघा चारागाह भूमि को अतिक्रमण मुक्त करने के लिए याचिकाकर्ता ने चिड़ावा तहसीलदार को सूचित किया। तहसीलदार ने 149 अतिक्रमण चिन्हित कर अगस्त, 2021 में कब्जाधारियों को बेदखल करने का निर्णय दिया। वहीं जिला कलेक्टर ने भी तहसीलदार के आदेश को यथावत् रखा। इसके बावजूद भी मौके से अतिक्रमण नहीं हटाया गया। मामले को लेकर हाईकोर्ट में जनहित याचिका पेश की गई। जिस पर सुनवाई करते हुए अदालत ने 23 मई, 2022 को चारागाह भूमि से अतिक्रमण हटाने के आदेश दिए। इसकी पालना नहीं होने पर अवमानना याचिका दायर कर दोषी अफसरों पर कार्रवाई की गुहार की गई।

राष्ट्रदूत (एचयूएफ) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा मैसर्स अरावली प्रिन्टर्स, राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर (राजस्थान) से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. 65015/96, **जयपुर कार्यालय:** सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34 फैक्स : 0141-2373513, **कोटा कार्यालय :** पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033, **उदयपुर कार्यालय:** आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, **बीकानेर कार्यालय :** कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371, **जालोर कार्यालय :-** जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422, 226423, फैक्स: 02973-226424 **हिण्डौनसिटी कार्यालय :-** जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 **चूरू कार्यालय :** एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908